Q. अमेरिकी प्रतिनिधि सभा और ब्रिटिश कामन्स सभा की तुलना कीजिए।

Ans:- British House of Commons और अमेरिकी प्रतिनिधि सभा दोनों ही क्रमशः ~~ब्रिटिश कांग्रेस और अमेरिकी~~ संसद और अमेरिकी कांग्रेस का प्रथम सदन है जिसका निर्वाचन प्रत्यक्ष रूप से जनता द्वारा किया जाता है। परन्तु महत्व की दृष्टि से दोनों की स्थिति एक दूसरे से भिन्न है। ब्रिटिश संसद की संप्रभुता House of Commons में निवास करती है और उसे विश्व में सर्वाधिक महत्वपूर्ण सार्वजनिक सभा कहा जाता है। परन्तु अमेरिका में सीनेट सर्वाधिक महत्वपूर्ण संस्था है और House of commons उसकी तुलना में शक्तिहीन दिखाई देती है। इसका मुख्य कारण अमेरिकी संघ राज्य का स्वरूप है। Senate को प्रशासन को नियंत्रित करने का व्यापक अधिकार प्राप्त है, तथा यह प्रतिनिधि सभा की इच्छाओं पर अपने निषेधाधिकार का प्रयोग कर सकती है। प्रो० मुनरो ने दोनों की तुलना करते हुए कहा है "कामन्स सभा और प्रतिनिधि सभा दोनों में अनेक समानताएं और विभिन्नताएँ हैं। यद्यपि ये दोनों एक दूसरे की संतान हैं और इसमें पारस्परिक पैतृक चिह्न स्पष्ट रूप से विद्यमान है तथापि दोनों की रचना और स्वभाव पर वातावरण की भिन्नता का स्पष्ट प्रभाव दिखाई पड़ता है।" ऐतिहासिक परिवेश, संवैधानिक शैली और अन्य कारकों ने दोनों संस्थाओं की कार्यात्मक शैली को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। फलतः निर्णय प्रक्रिया में उनकी कार्यात्मक भूमिका एक दूसरे से भिन्न है।

House of commons की कार्यअवधि 5 वर्ष निर्धारित की गई है परन्तु प्रधानमंत्री के परामर्श पर उसके भीतर भी उसे भंग किया जा सकता है।

Scanned with CamScanner

संकट काल में इसकी अवधि बढ़ाई भी जा सकती जैसा कि 1914 में प्रथम विश्वयुद्ध के कारण इसकी की अवधि तीन वर्ष के लिए बढ़ाई गई थी। प्रतिनिधि सभा की कार्य अवधि सिर्फ 2 वर्ष है। इतनी छोटी कार्य अवधि अन्य किसी प्रतिनिधि संस्था की नहीं है। यह इस तथ्य का प्रमाण है कि अमेरिका में प्रतिनिधि सभा को सीनेट की तुलना में प्रभावशाली स्थान प्राप्त नहीं है।

अमेरिका और ब्रिटेन दोनों ही देशों में क्रमशः प्रतिनिधि सभा और House of commons के गठन के लिए पूरे देश को प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों में विभाजित कर दिया जाता है और प्रत्येक क्षेत्र से प्रतिनिधि निर्वाचित होते हैं। अ______ राज्यों की विधायिका चुनाव क्षेत्रों का निर्माण करते ______ इसलिए प्रत्येक सत्ताधारी दल जेरी मेंडरिंग प्रथा का अर्थ है कि सत्ताधारी दल चुनाव क्षेत्रों का इस प्रकार निर्माण करे कि विरोधी दल के समर्थकों की संख्या थोड़े से क्षेत्रों में सीमित हो जाये और सत्ताधारी दल अपने समर्थकों को अधिक बड़े क्षेत्र में ऐसे फैला दे कि वह थोड़ा बहुमत से सर्वत्र विजयी हो जाए। ऐसी स्थिति में ब्रिटेन में निर्वाचन क्षेत्रों के निर्माण में देखने को नहीं मिलती क्योंकि निर्वाचन आयोग जो कि एक स्वतंत्र और निष्पक्ष संस्था है, निर्वाचन क्षेत्रों का सीमांकन करता है।

अमरीका और ब्रिटेन में अब मतदाताओं की न्यूनतम आयुसीमा 18 वर्ष है। 1964-66 से अमेरिका में हब्शियों को भी मतदान का अधिकार दिया गया है। House of commons की सदस्य संख्या वर्तमान में 630 है इसमें 551 इंग्लैण्ड के, 71 स्काटलैंड के, 36 वेल्स के और 12 उत्तरी आयरलैंड के होते हैं प्रतिनिधि सभा की सदस्य संख्या 437 है जिसमें 435 संयुक्त राज्य अमेरिका के और एक-एक प्रतिनिधि अलास्का और हवाई द्वीप के होते हैं वर्तमान सदस्य संख्या 1961 के जनगणना के आधार पर निर्धारित की गई है।

हाउस ऑफ कामन्स और प्रतिनिधि सभा दोनों के संचालन के लिए एक अध्यक्ष पद का विधान है परन्तु दोनों

देशों में अध्यक्ष की स्थिति भिन्न है - भिन्न है। ब्रिटेन में अध्यक्ष के पद पर ऐसे व्यक्ति को चुना जाता है जो निष्पक्ष और तटस्थ हो। इस पद पर निर्वाचित होते ही वह अपने दल से सम्बन्ध विच्छेद कर लेता है। अमेरिका में अध्यक्ष प्रतिनिधि सभा में बहुमत दल का प्रतिनिधि होता है और दल के नेता के रूप में वह प्रतिनिधि सभा में अपनी भूमिका का निर्वाह करता है। ब्रिटेन में उसकी स्थिति गौरवपूर्ण है और वह सर्वसम्मति से निर्वाचित होता है तथा वह हाउस ऑफ कामन्स के नियम, निर्णय और विशेषाधिकारों का संरक्षक बन जाता है। अब ऐसी प्रथा बन गई है कि सामान्य निर्वाचन में इसके विरुद्ध कोई अन्य दल उम्मीदवार खड़ा नहीं करता है जिससे वह निर्विरोध निर्वाचित हो जाता है। इसलिए अब यह कहा जाता है कि "once a speaker always a speaker."

अमेरिका में प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष को ब्रिटिश अध्यक्ष की तरह गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त नहीं है। मुनरो ने ब्रिटिश अध्यक्ष को "Most conspicuous figure in the house" कहा है। प्रतिनिधि सभा का अध्यक्ष सदन में अपनी पार्टी के हितों की पूर्ति करता है और दल के नेता के रूप में विधेयकों पर बोलता है तथा मतदान करता है। फाईनर ने दोनों की तुलना करते हुए कहा है "कामन्स सभा का स्पीकर सिर्फ नियमों का उल्लेख करता है और उन्हें निष्पक्षता से लागू करता है जबकि प्रतिनिधि सभा का स्पीकर अपनी इच्छा से नियमों का पुनर्निर्माण करता है और सदन की कार्यवाही के निर्धारण में भी भाग लेता है।

कामन्स सभा और प्रतिनिधि सभा दोनों प्रतिनिधि संस्थाएँ हैं तथा उसका सम्बन्ध सीधे जनता से है। इसलिए दोनों संस्थाओं का मुख्य कार्य विधि निर्माण करना है। परन्तु संवैधानिक भिन्नता के कारण दोनों की विधायी भूमिका में गंभीर अन्तर देखा जाता है। कामन्स सभा ब्रिटिश संसद का लोकप्रिय सदन है और संसद का व्यवहारिक अंग कामन्स सभा ही है। अमेरिका में कांग्रेस के भीतर सीनेट को सर्वाधिक महत्व प्रदान किया गया है और

4.

प्रतिनिधि सभा की स्थिति उसके अनुचर जैसी है। इसी प्रतिनिधि सभा की वित्तीय भूमिका कमजोर होती है।

ब्रिटेन और अमेरिका में क्रमशः कामन्स सभा और प्रतिनिधि सभा को सामान्य वित्तीय अधिकार प्राप्त है। कोई भी सामान्य विधेयक ब्रिटेन और अमरीका में संसद और कांग्रेस के किसी सदन में प्रस्तुत किया जा सकता है। ब्रिटेन में कामन्स सभा किसी विधेयक को स्वीकृत कर देती है तो उसे लार्ड्स सभा में भेजा जाता है और उसकी स्वीकृति मिलने पर उस पर सम्राट की सहमति ली जाती है। परन्तु सम्राट की स्वीकृति सिर्फ औपचारिक होती है। लार्ड्स सभा को कामन्स सभा द्वारा स्वीकृत विधेयक में संशोधन करने का अधिकार है लेकिन उसे स्वीकृत करना या नहीं करना कामन्स सभा के ऊपर निर्भर करता है। लार्ड्स सभा अधिक से अधिक किसी सामान्य विधेयक को एक वर्ष के लिए रोककर रख सकती है। परन्तु यह अवधि बीतने के बाद कामन्स सभा उसे सम्राट की अनुमति के लिए भेज सकती है। प्रतिनिधि सभा की स्थिति कामन्स सभा जैसी त्रिगात्मक नहीं है। सीनेट की इच्छा के विरुद्ध प्रतिनिधि सभा कोई भी विधेयक पारित नहीं कर सकती।

प्रतिनिधि सभा के विपरीत कामन्स सभा को राजकोष वित्त को नियंत्रित करने की असीमित शक्ति प्रदान की गई है। बजट और अन्य वित्त विधेयक कामन्स सभा में ही प्रस्तुत किए जाते हैं। उसकी अनुमति के बिना न तो कोई धन व्यय किया जा सकता है और न ही कोई कर लगाया जा सकता है। लार्ड्स सभा को वित्तीय मामलों में शक्तिहीन बना दिया गया है। कानूनी रूप में लार्ड्स सभा किसी वित्तीय प्रस्ताव को एक माह से अधिक नहीं रोक सकती और यदि वह ऐसा करती है तो वह विधेयक पारित मान लिया जाता है। उसे सम्राट की अनुमति के लिए भेज दिया जाता है। प्रतिनिधि सभा में ब्रिटेन की तरह वित्त सम्बन्धी विधेयक आरंभ होते हैं, परन्तु सीनेट उन्हें परिवर्तित, संशोधित या अस्वीकृत कर सकती है।

सीनेट को वित्त विधेयक का शीर्षक छोड़कर व्यवहार में सब कुछ परिवर्तित करने का व्यापक अधिकार प्राप्त है। फाइनर ने ठीक ही कहा है " प्रतिनिधि सभा द्वारा रखे गये प्रस्ताव की धाराओं के बदले नई धारा जोड़कर सीनेट वित्तीय मामलों का एकमात्र स्वामी बन गया है।

ब्रिटेन में कामन्स सभा संसद की सर्वाधिकार सम्पन्न संस्था है। विधायी और वित्तीय क्षेत्रों में उसे नेतृत्वकारी अधिकार दिया गया है। प्रधानमंत्री कामन्स सभा का नेता होता है। अपनी इस हैसियत से वही संसद में पेश किये जानेवाले विधेयकों तथा नीतियों को निर्धारित करता है। वह कामन्स सभा में सरकारी नीतियों को व्यक्त करता है। बजट पेश करने का काम प्रधानमंत्री की ही देखरेख में सम्पन्न होता है। अमेरिकी राष्ट्रपति काँग्रेस का नेतृत्व नहीं करता। काँग्रेस में बहुमत होने के बावजूद राष्ट्रपति उसका स्वामी नहीं हो सकता। विधेयक निर्माण में भी राष्ट्रपति का कोई हाथ नहीं होता। वह प्रतिनिधि सभा और सीनेट को भले ही प्रभावित कर ले, परन्तु ब्रिटिश प्रधानमंत्री की तरह वह उसे नियंत्रित नहीं कर सकता है। अतः ब्रिटिश प्रधानमंत्री को अमेरिकी राष्ट्रपति के विपरीत इस अर्थ में तुलनात्मक लाभ यह है कि हाउस ऑफ कामन्स उसके नियंत्रण में रहता है।

कामन्स सभा को मंत्रिमण्डल, प्रधानमंत्री और समस्त प्रशासन यंत्र को नियंत्रित करने का व्यापक अधिकार प्राप्त है। इस मामले में लार्ड्स सभा की तुलना में कामन्स सभा की स्थिति न सिर्फ शक्तिशाली बल्कि प्रभावपूर्ण है। वह प्रशासन का नियंत्रण और निरीक्षण करनेवाली सर्वोच्च निकाय है। प्रधानमंत्री कामन्स सभा के बहुमत दल का नेता होता है और मंत्रिमण्डल कामन्स सभा के प्रति उत्तरदायी होती है। अपने बहुमत के बल पर ही वह सत्तारूढ़ रहता है। कामन्स सभा को बजट में संशोधन और कटौती करने का औपचारिक अधिकार प्राप्त है। बहुमत के शासन के कारण आमतौर पर यह विपक्ष का कारगर साधन नहीं है। विपक्ष इस साधन का उप

करके जनमत का ध्यान सरकार की फिजूलखर्ची और अनि
की ओर आकर्षित करते हैं। कामन्स सभा को सरकार को
नियंत्रित करने के लिए अन्य कई साधन हैं उपलब्ध हैं - काम
रोको प्रस्ताव, अविश्वास प्रस्ताव, निन्दा प्रस्ताव, सार्वजनिक
महत्व के विषय पर बहस, प्रश्नोत्तर और सरकारी कामकाज
की आलोचनाओं के माध्यम से कामन्स सभा सरकार को
नियंत्रित करने का प्रयास करती है। प्रधानमंत्री की निरंकुश स्थिति
और दलीय प्रतिबद्धता के लिए कठोर अनुशासन इत्यादि के
कारण उपरोक्त साधन यद्यपि कारगर नहीं हो पाते, फिर भी
ब्रिटेन में इनका व्यापक महत्व है और जनमत निर्माण में इन
साधनों के माध्यम से कम से कम विपक्षी दल निर्णायक
भूमिका का निर्वाह करता है। अमेरिका में सीनेट को राष्ट्रपति
और उसके प्रशासन को नियंत्रित करने का प्रभावशाली अधिकार
प्राप्त है लेकिन प्रतिनिधि सभा की स्थिति अत्यन्त कमजोर है।
प्रशासन के सम्बन्ध में यद्यपि प्रतिनिधि सभा में बहस होती है
परन्तु राष्ट्रपति या उसके मंत्रियों के विरुद्ध उसे कारगर कार्यवाई
करने का कामन्स सभा की तरह निर्णायक अधिकार प्राप्त नहीं है।

कामन्स सभा
और प्रतिनिधि सभा दोनों ही जनता की प्रतिनिधि संस्था के रूप में जनता
की अपेक्षाओं और माँगों को अभिव्यक्त करती हैं। दोनों ही व्यवस्थाएं
राजनीतिक समाजीकरण के साधन हैं और जनता तथा सरकार
के बीच राजनीतिक संचार के मुख्य स्थल हैं। दोनों ही संस्थाओं
में प्रतिनिधि-गण जनता की आवश्यकताओं को प्रस्तुत करते हैं और
माँगों का चयन तथा संतुलीकरण करते हैं। कामन्स सभा में इस
अधिकार का भरपूर प्रयोग विपक्ष करता है जबकि प्रतिनिधि सभा
में सभी प्रतिनिधि खुलकर इसका प्रयोग करते हैं। क्योंकि वहाँ
दलीय आधार पर सदन में मतदान नहीं होता और प्रतिनिधिगण
दलीय नियंत्रण से लगभग मुक्त होते हैं। अपनी सूझ-बूझ के अनुसार
वे मामले उठाते हैं और राष्ट्रपति प्रशासन की आलोचना
करते हैं।

कामन्स सभा वास्तव में संसद का पर्याय बन गई है
और उसका प्रयोग संसद के व्यापक अर्थ में होता है। अमेरिका
की तरह ब्रिटेन में न्यायालय को पुनरीक्षण का अधिकार नहीं है।
इसलिए संसद की सत्ता सम्प्रभु है, उसे ब्रिटिश संविधान में
संशोधन करने की सर्वोच्च शक्ति प्राप्त है। कामन्स सभा की
शक्ति और अधिकार क्षेत्र इतना सर्वोपरि और पूर्ण है कि उसकी
सीमाएं नहीं बाँधी जा सकती।

Scanned with CamScanner

डिजरैली ने कहा है कि वह संसार की सबसे अधिक प्रकम्पित करने वाली संस्था है। वास्तव में वह प्रत्येक संभव कार्य सम्पन्न कर सकती है। उसकी आकर्षणीय प्राचीनता, स्फूर्तिदायक इतिहास, उसकी नवयुवक जैसी शक्ति और भावना, राष्ट्रीय जीवन में उसका प्रभाव इत्यादि तत्त्व उसे एक ऐसा स्थान प्रदान करते हैं जिसकी तुलना सिर्फ प्रतिनिधि सभा से ही नहीं बल्कि अन्य विदेशों की प्रथम सदनों से भी नहीं की जा सकती। हम हेरोल्ड स्टेवर्ड के इस कथन से सहमत हैं कि "The greatest of all the differences between the British and American constitutional practices lies in the widely different measures of authority enjoyed by the House of representatives.

———— o ————